Date: 14.9.2022

सेन्टर ऑफ मीडिया स्टडीज

''गर्व है वर्णमाला पर इसकी, कठिन है मगर समझता हूँ। होता हूँ आनन्द विभोर मैं, जब हर शब्द इसका पढ़ता हूँ। हिन्दी हमारी आन है हिन्दी हमारी शान है। ये वो पंक्तियां हैं जिनमें इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेन्टर ऑफ मीडिया स्टडीज द्वारा हिन्दी दिवस पर आयोजित विद्यार्थी कवि सम्मेलन की अनुगूंज सुनाई देती है।

सेन्टर के लेक्चर हॉल में क्रिएटिव मीडिया क्लब द्वारा आयोजित इस कवि सम्मेलन में एक दर्जन से अधिक मीडिया स्टडीज व प्रोडक्शन के विद्यार्थी कवियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा व आजादी के 75 वर्ष पर अपनी कविताएं प्रस्तुत करनी थी और विद्यार्थियों ने इस लक्ष्य को बखूबी पूरा किया। किसी ने कहा ''हम हिन्दी मीडियम वालों की अंग्रेजी में नम्बर थोड़े कम आते हैं। हम अंग्रेजी बोलने से घबराते हैं और हम हिन्दी बोलने से शर्माते हैं। इसी तरह ''बेड़ियों को तोड़कर वेणी में बहना सीख लें, ये मेरा भारत अमर है, सत्य कहना सीख लें। सर अगर ये कट गया फिर भी नहीं कोई फर्क है, इस वतन की खातिर बलिदान करना सीख लें। '' पंक्तियां राष्ट्रप्रेम को उजागर करने में सफल रहीं।

प्रारम्भ में सेन्टर के कोर्स कोआर्डिनेटर डा0 धनंजय चोपड़ा ने विश्वविद्यालय में हिन्दी रचनाकर्म की परम्परा को याद किया और विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमताओं को बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर सेन्टर के अध्यापकगण एस. के. यादव, विद्यासागर मिश्रा, सचिन मेहरोत्रा, अमित मोर्या, प्रियंका मिश्रा, डा0 ऋतु माथुर सहित सेन्टर के सभी कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित थे।

Department of Education

शिक्षा शास्त्र विभाग में हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें M. Ed. *तथा* M.A. *के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध का विषय था- ' संस्कृति और मूल्यों के विकास की भाषा - हिन्दी । विभागाध्यक्ष प्रो धनंजय यादव, डॉ रुचि दुबे तथा डॉ सरोज यादव की उपस्थिति में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।*

Date: 15.09.2022

सेन्टर ऑफ मीडिया स्टडीज

फोटोग्राफी की दुनिया लगातार नई होती जा रही है। टेक्नोलॉजी ने इस विद्या को आसान बनाया है, लेकिन साथ ही इसे अधिक उन्नत भी बना दिया है। दुनिया में फोटोग्राफी को प्रोफेशन की तरह लेने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है यह बात पटियाला से आये प्रख्यात छायाकार मानविन्दर सिंह ने कही। श्री सिंह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेन्टर ऑफ मीडिया स्टडीज में निकॉन कम्पनी द्वारा आयोजित फोटोग्राफी कार्यशाला का उद्घाटन कर रहे थे।

बताते हुए प्रकाश संयोजना, कैमरे की सेटिंग, दृश्यों की फ्रेमिंग व कम्पोजिशन इत्यादि का प्रशिक्षण दिया। सेन्टर के कोर्स कोआर्डिनेटर डॉ0 धनंजय चोपड़ा ने कहा कि फोटोग्राफी का क्षेत्र दृश्यों के प्रति बेहतर समझ की मांग भी करता है। जो फोटोग्राफर अपने समय, समाज और लगातार बदलती टेक्नोलॉजी को बेहतर ढंग से समझता है वह फोटोग्राफी के क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है।

Department of English & Modern European Languages

रामसेवक दुबे, अध्यक्ष 'अद्वैत वेदान्त एवं शाङ्कर परम्परा

The Department of English & Modern European Languages, University of Allahabad organizes monthly talk series, "Legacy and Future" where talks are delivered by the stalwart veterans (superannuated) and the new faculty members. As a part of the series, Department organized its third talk on 15.09.2022 where Prof. L.R. Sharma, former Head of the Department, reminisced the legacy and glory of the Department in his nostalgia drenched talk followed by Dr. Aloysius Sebastian, Assistant Professor, elaborated on "The Scope of Comparative Literature in India."

संस्कृत पालि प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग

दिन वृहस्पतिवार को विभाग तथा पं० गङ्गानाथ झा पीठ के संयुक्त तत्त्वावधान में ऋषि व्याख्यान माला का उद्घाटन किया गया। यह व्याख्यान माला प्रत्येक वृहस्पतिवार को सायं 04:00 से 05:00 तक होगी। इस कार्यक्रम का आरम्भ, माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप-प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो. रामसेवक दुबे, अध्यक्ष 'अद्वैत वेदान्त एवं शाङ्कर परम्परा